# HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA

## Celebrations of International Day for Biological Diversity
## 22nd May 2017

For conservation and sustainable use of biological diversity, United Nation's **Convention on Biological Diversity** (CBD) was negotiated on 22nd May 1992 and India is a signatory to this **CBD** since 1994. Since then, 22nd May is being celebrated as **International Day for Biological Diversity** every year. This year, **'Biodiversity and Sustainable Tourism'** is the chosen theme for IBD 2017.

In the above context, Himalayan Forest Research Institute, Shimla celebrated the **International Day for Biological Diversity** on 22nd May 2017. Thirty students from different Schools of Shimla namely, Government Senior Secondary School for Boys, Lal-Pani, Shimla; Government Senior Secondary School, Chhota Shimla; Saraswati Paradise International Public School Sanjauli, Shimla; Government Senior Secondary School for Girls, Portmore, Shimla and Saraswati Vidya Mandir, Vikas Nagar, Shimla participated in various programmes viz., Quiz Competition, Painting/ Drawing Competition and Slogan Writing. Sh. Pradeep Bhardwaj, DCF initiated the proceedings of the function.

Dr. V.P. Tewari, Director, HFRI while welcoming the gathering explicitly spotlighted the significance of the day. He elaborated that India is a mega biodiversity country having 12% of all flowering and non-flowering plant species of the recorded world flora which includes 15,000 species of flowering plants, of which 35% are endemic. He informed that about 62% of the known amphibian species in India are endemic. He narrated that sustainable management of the tourism can contribute towards the conservation of the many endemic and threatened species and serve the cause of the biodiversity in a long way. He also established the connection between the Biodiversity and the sustainable tourism quite meticulously. He said that this year theme has been chosen to coincide with the observance of 2017 as the international year of sustainable tourism for development for which United Nations World Tourism Organization is providing leadership. Further, the theme also provide a unique opportunity to contribute to ongoing initiatives such as sustainable tourism programme of the 10 –year framework for the consumption and production patterns and to promote the CBD guidelines on biodiversity and tourism development.

On this occasion, Dr. Sanjeeva Pandey, PCCF, Himachal Pradesh Forest Department (H.P.) gave a visual presentation highlighting the concept of the biodiversity and its various dimensions. He elucidated the role of the biodiversity in the sustenance of the life, in a terse and telling manner. He impressively dwelled upon the spectrum of the goods and services provided by the different components of the

biodiversity available in the existing ecosystems and biomes of the world. Taking cue and many interesting live examples from the wide and diverse elements of biodiversity present all across the state of Himachal Pradesh, for instance in world heritage site "Great Himalayan National Park", Dr. Pandey meticulously sensitize the impressionable minds of the students.

Also, different competitions viz., **Quiz, Painting /Drawing and Slogan Writing** on the **"Biodiversity and Sustainable Tourism"** were organized for the students of various participating Schools.

In Quiz Competition, Mr. Parmod and Mr. Amit of Govt. Senior Secondary School, Lalpani, Shimla got **first prize**; Mr. Smridh Ranta and Mr. Antriksh Mehta, Saraswati Paradise International Public School, Sanjauli got **second prize** and Ms. Nidhi and Ms. Khusboo, Sarswati Vidya Mandir, Vikas Nagar, Shimla got **third prize**.

**Participation of Students in Quiz Competition**

In Painting/ Drawing Competition, Sh. Shiva Gupta of Saraswati Paradise International Public School, Sanjauli, Shimla baged the **first prize**; Mr. Rahul of Government Senior Secondary School, Chhota Shimla **second** and Ms. Ankurika kamal of Government Girls Senior Secondary School Portmore, Shimla **third prize**.

**Students participating in Drawing Competition**

In Slogan Writing, Mr. Arvind of Government Senior Secondary School Chhota Shimla won the **first prize**; Mr. Aadarsh Verma of Saraswati Paradise International Public School, Sanjauli, Shimla **second** and Mr. Abhay Azad of the same School **third prize**.

**Students participating in Slogan writing**

Dr. V.P. Tewari, Director of the Institute distributed the prizes to all the winners and participants in different events organized by the institute. In his concluding address he encouraged the students for their active involvement in such events and reiterated that the main focus for organizing such functions is basically to inculcate the habit of learning and crystallizing the thought into actions by sensitizing the impressionable mind of students. Finally, he thanked one and all for successful completion of this event.

In the end, Dr. R.K. Verma, Programme Coordinator, IBD -2017 thanked all the students and teachers for their active participation in the programme and appraised that the main motive of organizing such events is to make the society aware about the present day issues concerning the biodiversity and its allied aspects. He told that this is an opportunity for the young students to know about

the biodiversity and threats to it and hoped that the students would have definitely got benefited from this event.

**********

## PRINT MEDIA COVERAGE

**दैनिक भास्कर, दिनांकः 23.05.2017 शिमला**

# नारा लेखन में छोटा शिमला के अरविंद प्रथम

## एचएफआरआई व जैव विविधता बोर्ड ने मनाया दिवस, जैव विविधता एवं सतत पर्यटन थीम किया है घोषित

सिटी रिपोर्टर | शिमला

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2017 के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से जैव विविधता एवं सतत पर्यटन थीम घोषित किया गया है। इस संदर्भ में एचएफआरआई शिमला में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया। इसमें शिमला के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान इसमें प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता तथा पर्यावरण, पारिस्थितिकी, पर्यटन एवं जैव विविधता विषयों पर प्रचार वाक्य लेखन का आयोजन किया गया। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के संयुक्त सदस्य सचिव कुनाल सत्यार्थी के नेतृत्व मे किन्नौर के जिला मुख्यालय, रिकांगपिओ में जैव विविधता दिवस समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की ओर से उप अरण्यपाल प्रदीप भारद्वाज ने अध्यापकों व विद्यार्थियों को कार्यक्रम के आयोजन में निहित प्रायोजन व इससे संबंधित जानकारी दी। उसके बाद संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने अपने संबोधन में इस दिवस की महता को उजागर करते हुए सतत पर्यटन के उचित प्रबंधन की ओर से देशज एवं संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के संबंध में जानकारी दी।

जैव विविधता के आयाम बताए

वन विभाग के प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजीवा पांडे ने जैव विविधता व इसके विविध आयामों के बारे में रोचक एवं ज्ञान वर्धक जानकारी दी।

एचएफआरआई में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान स्कूली बच्चे।

### यह रहे विजेता

- प्रश्न मंच प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लालपानी शिमला प्रमोद एवं अमित की जोड़ी प्रथम स्थान, सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल संजौली के समृद्ध रांटा एवं अंतरिक्ष मेहता ने द्वितीय तथा एवीएम विकासनगर की निधि व खुशबू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- चित्रकारी प्रतियोगिता में सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल संजौली से शिवा गुप्ता प्रथम, छोटा शिमला स्कूल से राहुल द्वितीय तथा पोर्टमोर की अंकुरिका कमल ने तृतीय स्थान हासिल किया।
- नारा लेखन प्रतियोगिता में छोटा शिमला के अरविंद ने प्रथम, एसपीईपीएस संजौली के आदर्श वर्मा व अभय आजाद ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एचएफआरआई के निदेशक ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया।

पंजाब केसरी, दिनांकः 23.05.2017

# जैव विविधता और पर्यटन का परस्पर संबंध

शिमला, 22 मई (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) में सोमवार को जैव विविधता दिवस मनाया गया। संस्थान के सभागार में आयोजित समारोह में कई स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया तथा कार्यक्रम में निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने इस दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने 2017 को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन वर्ष घोषित किया है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता और पर्यटन का परस्पर संबंध है। इस मौके पर वन विभाग के प्रधान मुख्य अरण्यपाल डा. संजीवा पांडे ने जैव विविधता व इसके विविध आयामों के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

कार्यक्रम में स्कूलों से आए छात्रों के लिए विविध प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं जिनमें प्रश्न मंच प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता एवं प्रचार वाक्य लेखन का आयोजन किया गया। इसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छोटा शिमला, पोर्टमोर, शिमला लालपानी, सरस्वती पैराडाइज इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल, संजौली व सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के बच्चों ने भाग लिया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लालपानी शिमला से प्रमोद एवं अमित की जोड़ी ने प्रथम, समज्ञ रांटा एवं अंतरिक्ष मेहता सरस्वती पैराडाइज इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल संजौली ने द्वितीय और निधि व खुशबू सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकारी प्रतियोगिता में शिवा गुप्ता सरस्वती पैराडाइज इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल संजौली ने प्रथम, राहुल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छोटा शिमला ने द्वितीय और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर की छात्रा अंकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नारा लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छोटा शिमला के छात्र अरविन्द ने प्रथम स्थान, सरस्वती पैराडाइज इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल संजौली के छात्र आदर्श वर्मा व अभय आजाद ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

*शिमला : जैव विविधता दिवस के अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र।* (नरेश)

**दिव्य हिमाचल, दिनांकः 23.05.2017**

# जैव-विविधता पर प्रतियोगिताएं

## कार्यक्रम में शिमला के अलग-अलग स्कूलों के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

■ सिटी रिपोर्टर, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने सोमवार अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में शिमला के अलग अलग स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में छात्रों के लिए प्रश्न मंच, पोस्टर, चित्रकारी और प्रतियोगिता सहित पर्यावरण, पारिस्थितिकी, पर्यटन एवं जैव-विविधता विषयों पर प्रचार वाक्य लेखन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान की ओर से उपअरण्यपाल प्रदीप भारद्वाज ने किया। संस्थान के निदेशक, डा. वीपी तिवारी ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2017 वर्ष को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन वर्ष घोषित किया गया है। कार्यक्रम में प्रदेश के वन विभाग के प्रधान मुख्य अरण्यपाल, डा. संजीवा पांडे ने जैव-विविधता व इसके विविध आयामों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया। इस दौरान प्रश्न मंच प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता एवं प्रचार वाक्य लेखन का आयोजन किया गया, जिसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छोटा शिमला, पोर्टमोर, शिमला लालपानी, सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, संजौली एवं सरस्वती विद्या मंदिर, विकासनगर ने भाग लिया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाल पानी, शिमला से प्रमोद एवं अमित की जोड़ी ने प्रथम स्थान, समृद्ध रांटा एवं अंतरिक्ष मेहता सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, संजौली ने द्वितीय और निधी व खुशबू, सरस्वती विद्या मंदिर, विकासनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकारी प्रतियोगिता में शिवा गुप्ता, सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, संजौली ने प्रथम, राहुल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, छोटा शिमला ने द्वितीय तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर, शिमला की छात्रा अंकुरीका कमल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, छोटा शिमला के छात्र अरविंद ने प्रथम स्थान, सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, संजौली के छात्र आदर्श वर्मा व अभय आजाद ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

**********